

डॉ. डैनियल के. डार्को, जेल पत्र, व्याख्यान 9, फिलिप्पियों 1

© 2024 डैन डार्को और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डैन डार्को जेल पत्रों पर अपनी व्याख्यान श्रृंखला में बोल रहे हैं। यह सत्र 9, फिलिप्पियों 1 है।

फिलिप्पियों पर बाइबिल अध्ययन व्याख्यान श्रृंखला में आपका स्वागत है।

हमने फिलिप्पियों के बारे में अपने परिचय को देखा, और हमने शहर की पृष्ठभूमि, संस्कृति और ईसाई धर्म के फिलिप्पी में आने के तरीके के बारे में भी थोड़ा-बहुत जाना। मैंने आपका ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि कैसे पॉल इस चर्च के विश्वासियों के संपर्क में आया और उनके साथ एक बहुत अच्छा रिश्ता विकसित किया। यह तब सामने आएगा जब हम परीक्षण को देखेंगे और फिलिप्पियों नामक इस विशेष परीक्षण में हाइलाइट किए गए विषयों को देखेंगे।

हम परीक्षण की कुछ विशिष्टताएँ और इस्तेमाल की जाने वाली भाषा भी देखेंगे। यदि आपको पिछले व्याख्यान से याद है, तो मैंने आपको एक उद्धरण पढ़कर व्याख्यान समाप्त किया था जो वास्तव में दर्शाता है कि पॉल इस विशेष पत्र में उन शब्दों का उपयोग करता है जो उसने अपने किसी भी पत्र में उपयोग नहीं किए हैं। आंशिक रूप से क्योंकि पॉल रोम में जेल में था और रोमन उपनिवेश में ईसाइयों को लिख रहा था, उनके पास एक साझा भाषा है जिसे जब वह संवाद करने के लिए इस्तेमाल करता था, तो वे स्पष्टता से समझ सकते थे।

अब, फिलिप्पियों पर अगले व्याख्यान की शुरुआत करते हुए, हम वास्तव में पत्र के मुख्य विषयों पर एक त्वरित नज़र डालने जा रहे हैं। आप इस व्याख्यान के दौरान देख सकते हैं कि मैं आपको वह देना पसंद करता हूँ जिसे मैं प्रकाश बल्ब या चिंगारी कहता हूँ, ऐसी चीज़ें जो परीक्षा से गुज़रते समय आपके दिमाग में गुंजनी चाहिए। तो यहाँ फिलिप्पियों में, मैं सबसे पहले कुछ विषयों की रूपरेखा बनाने जा रहा हूँ जिन्हें आप परीक्षा से गुज़रते समय अपने दिमाग में रखना चाहेंगे।

मैं आपका ध्यान प्राचीन दुनिया की कुछ बयानबाजी रणनीतियों की ओर भी आकर्षित करता हूँ, जिन्हें जानना हमारे लिए बहुत ज़रूरी है, ताकि हम समझ सकें कि फिलिप्पियों को किस तरह लिखा गया है, इसे किस तरह से डिज़ाइन किया गया है, किस तरह से तर्क दिए जा रहे हैं, बयानबाजी को किस तरह से जोड़ा गया है और पॉल यहाँ किस तरह से लोगों को मनाने के लिए रणनीतियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वास्तव में, बेन विदरिंगटन नामक एक विद्वान का तर्क है कि पॉल वास्तव में कुछ बयानबाजी रणनीतियों को जानता है, जो मैं आपको इस लेख में दिखाऊंगा, और वास्तव में इसने फिलिप्पियों के उनके लेखन को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया। तो, आइए पहले कुछ प्रमुख विषयों पर नज़र डालें।

फिलिप्पियों को देखते हुए, आप दोस्ती के विषय को अपने दिमाग में रखना चाहेंगे। मैंने उल्लेख किया कि, वास्तव में, फिलिप्पियों में, दोस्ती इतनी महत्वपूर्ण है कि आप पौलुस की भावनाओं को

उसके लेखन के तरीके में सच होते हुए महसूस करते हैं। वह अपने दिल से आने वाली बातों के बारे में बात करता है।

वह उनके साथ अपने मज़बूत रिश्ते के बारे में बात करता है, लगभग एक पिता और उसके बच्चों की तरह। इसलिए, दोस्ती को अपने दिमाग में सबसे पीछे रखें। दूसरा, आपको अपने दिमाग में खुशी या आनंद शब्द को सबसे पीछे रखना चाहिए।

यदि आप उन चर्चों में से हैं जिनसे मैं परिचित हूँ, तो संभवतः आपके पास कहीं और एक या दो गीत होंगे जो आप गाते हैं, जिनमें फिलिप्पियों की बहुत लोकप्रिय पंक्तियाँ होंगी, जैसे कि आनन्द मनाओ। और फिर से, मैं कहता हूँ आनन्द मनाओ। पॉल फिलिप्पी के एक चर्च के लिए इनमें से कुछ पंक्तियाँ लिखेंगे।

उन्हें दुखों का सामना करते हुए, अपने दुखों के बारे में सोचते हुए, और संभवतः फिलिप्पी शहर में मसीहियों के रूप में खुद से गुजरने वाली कुछ चुनौतियों का सामना करते हुए आनंदित होने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास करें। दूसरी बात जो आप देखेंगे और जिसे आपको अपने दिमाग में रखना चाहिए, वह है इस पत्र में विनम्रता का विषय। पॉल चर्च को एक ऐसी मानसिकता विकसित करने की चुनौती देने जा रहा है जो वास्तव में उन लोगों के योग्य है जो यीशु मसीह को अपना प्रभु कहते हैं।

वह एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बात करने जा रहे हैं जिस पर मैं पॉलीन के लेखन में जोर देना पसंद करता हूँ। तथ्य यह है कि मानसिकता में बदलाव वास्तव में लोगों के व्यवहार को प्रभावित करता है। व्यवहार में बदलाव के लिए मानसिकता में आमूलचूल परिवर्तन होना चाहिए।

पॉल विनम्रता पर बात करते हुए यह भी बताएंगे कि विश्वासियों की मानसिकता को मसीह के अनुरूप कैसे बनाया जाना चाहिए और फिर हमें वह देंगे जिसे हम मसीह भजन कहेंगे, जिसमें बताया जाएगा कि मसीह ने खुद को कैसे नम्र बनाया और कैसे, उस विनम्रता के कारण, परमेश्वर ने उसे ऊंचा किया और उसे एक ऐसा नाम दिया जो हर दूसरे नाम से ऊपर है। यीशु के नाम के उल्लेख पर, हर घुटना झुक जाएगा या झुकना चाहिए और हर जीभ यह स्वीकार करेगी कि यीशु प्रभु है। दूसरी थीम जिसे आप पृष्ठभूमि के रूप में रखना चाहते हैं, वह है मसीह को ईसाई मॉडलिंग के तरीके के रूप में।

और मसीह से परे, पौलुस खुद को भी एक आदर्श के रूप में दिखाते हुए अलग-अलग चरित्रों को दिखाएगा। दूसरे शब्दों में, फिलिप्पियों में, पौलुस हमें याद दिलाने जा रहा है कि ईसाई नेतृत्व आदर्श है। एक ईसाई नेता होने का मतलब है ऐसी जगह पर होना जहाँ, चाहे आप इसे जानते हों या नहीं, कोई आपका अनुसरण कर रहा है, कोई आपको देख रहा है, और कोई आपके जीवन के तरीके से सीख रहा है।

इसलिए, उन्हें इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। वह मसीह और उसके कुछ साथियों को उजागर करेगा और खुद को अनुसरण करने के लिए एक अच्छे मॉडल के रूप में उजागर करेगा। अब, यह मुझे इस बिंदु पर लाता है कि हमारे पास पृष्ठभूमि के विषय हैं, जो इसे पृष्ठभूमि भी रखता है, पॉल द्वारा नियोजित बयानबाजी की रणनीति।

मुझे कहना चाहिए कि इसमें कोई विशेष ईसाई नोट नहीं है, क्योंकि ये बयानबाजी की रणनीतियाँ दार्शनिकों और बयानबाजों के लिए आम हैं, चाहे वे ग्रीक हों या लैटिन। मैं आपका ध्यान तीन प्रमुख ढाँचों या तर्कों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ जो वे अपनी चर्चा में आगे रखेंगे। तो, ग्रीको-रोमन लेखन या तर्क में, इसे ही हम न्यायिक बयानबाजी कहते हैं।

न्यायिक बयानबाजी बयानबाजी का वह रूप है जिसमें कोई व्यक्ति दर्शकों के सामने खड़ा होता है और वास्तव में यह दिखाने के लिए तर्क देता है कि क्या सही है और क्या गलत। एक प्राचीन दुनिया में, जब आप किसी शहर के हॉल में जा सकते हैं और मामला बना सकते हैं और समर्थन प्राप्त कर सकते हैं, तो बयानबाजी का न्यायिक रूप बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर तब जब आपका कोई दोस्त या आपका कोई प्रिय व्यक्ति परेशानी में हो। आपको खड़े होने, मामला बनाने और सही और गलत, क्षमा करें, सही और गलत में अंतर करने में सक्षम होने के लिए तीखे विरोध को चित्रित करने के लिए आवश्यक कौशल सीखने में सक्षम होना चाहिए ताकि आपकी बात सुनने वाला व्यक्ति या व्यक्ति वास्तव में झुक जाए और कहे, हाँ; हमने आपकी बात पर प्रहार किया है, आपने मामला बनाया है; वास्तव में आप सही हैं।

ऐसा मामला बनाने के लिए एक विशेष कौशल विकसित किया जाना चाहिए। प्राचीन दुनिया में ज्ञात दूसरा बयानबाजी ढाँचा या बयानबाजी रणनीति जिसे हम जानबूझकर बयानबाजी कहते हैं। जानबूझकर बयानबाजी का उद्देश्य किसी भविष्य की कार्रवाई के बारे में राजी करना या मना करना होता है।

तो, कुछ होने वाला है, और आप इस कौशल को विकसित करते हैं। मान लीजिए, आप जानते हैं, मैं आपको एक उदाहरण देता हूँ। चुनाव आ रहा है, और आप चुनाव अभियान शुरू करते हैं। यह सीखने का समय नहीं है कि किसी मामले को साबित करने के लिए बहुत अच्छी न्यायिक बयानबाजी कैसे की जाए।

लोगों को इस बारे में ज़्यादा परवाह नहीं है। अगर चुनाव कल है, तो आपकी पूरी बयानबाजी लोगों को वोट देने के लिए प्रेरित करने के लिए होनी चाहिए। अगर आप तथ्यों और आंकड़ों पर बहुत ज़्यादा खेलने की कोशिश करते हैं, तो आप उन्हें खो देते हैं।

फिर, इस बयानबाजी रणनीति का उपयोग करके, आप सीख सकते हैं कि शायद सबसे महत्वपूर्ण काम दर्शकों से जुड़ना है। आप यह भी सीख सकते हैं कि शायद सबसे महत्वपूर्ण काम यह देखना है कि उनके लिए क्या महत्वपूर्ण है और उन्हें बताएं कि आप उनके लिए यही करना चाहते हैं। भले ही यह उन 30 चीजों में से एक हो जो आप करना चाहते हैं, आप जानबूझकर बयानबाजी करते हैं, अपना मामला आगे बढ़ाते हैं, लोगों को अपने पक्ष में जगाते हैं, और उन्हें अपने पक्ष में ले जाते हैं। हाँ, आप ही वह व्यक्ति हैं जिसके लिए हम वोट देंगे।

बयानबाजी का तीसरा रूप वह है जिसे हम महामारी संबंधी बयानबाजी कहते हैं। महामारी संबंधी बयानबाजी में मूल्यों को बढ़ावा देने या किसी रुख की पुष्टि करने के लिए प्रशंसा या दोष का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए, यदि आप बुरे व्यवहार को हतोत्साहित करना चाहते हैं, तो

आप यह कहकर शुरू कर सकते हैं कि, आप जानते हैं, इस विशेष शहर के सभी नागरिकों में से, हम अपनी ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं, और हम अपनी गरिमा के लिए जाने जाते हैं।

हम उन सभी महान चीजों के लिए जाने जाते हैं जो हमारे पूर्वजों ने हमें दी हैं। उदाहरण के लिए, जो हमारे योग्य नहीं है, वह है चोरी करना। फिर, आप यह दिखा सकते हैं कि चोरी करना कितना शर्मनाक और निंदनीय है।

ऐसा करते समय, आप महामारी संबंधी बयानबाजी का इस्तेमाल करते हैं, ताकि लोगों की अंतरात्मा को अपने पक्ष में करने के लिए वास्तव में दोषारोपण और प्रशंसा का इस्तेमाल किया जा सके। प्राचीन यूनानी बयानबाज़ इस पद्धति का अक्सर इस्तेमाल करते थे। रोमन दार्शनिकों ने, यहाँ तक कि अकेले एराटस ने भी, इस पद्धति का कुछ हद तक इस्तेमाल किया।

विद्वानों का मानना है कि पॉल को इस बारे में पता था। आखिर पॉल कौन था? खैर, हम जानते हैं कि पॉल एक यहूदी विद्वान व्यक्ति था। हम जानते हैं कि उसने गमलिएल के अधीन अध्ययन किया था।

हम यह भी जानते हैं कि पॉल का लालन-पालन यूनियर्सिटी शहर, तासोस में हुआ था। वह ग्रीक भाषा को बहुत अच्छी तरह जानता है। क्या आप जानना चाहते हैं? आप न्यू टेस्टामेंट ग्रीक का अध्ययन करें और पॉल का अध्ययन करने का प्रयास करें।

लेकिन आप समझते हैं कि छात्र आपको बताएंगे कि जॉन का सुसमाचार इतना सीधा कैसे है? और पॉल इतना जटिल क्यों है? खैर, वह व्यक्ति भाषा जानता है, और जब वह उत्साहित होता है, तो वह ऐसे शब्दों का उपयोग करता है जिन्हें हम समझ नहीं पाते हैं, और हमें उनका अनुसरण करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। वह एक विद्वान व्यक्ति था। वह ग्रीक संस्कृति, ग्रीक प्रणाली और ग्रीक भाषा को समझता था और उनके साथ बहुत अच्छी तरह से काम करने में सक्षम था।

संभावना है कि ग्रीको-रोमन दुनिया में काम करते हुए, उन्हें रोमन, ग्रीक और रोमन बयानबाजी के बारे में भी कुछ सीखने का अवसर मिला होगा। यही कारण है कि बेन वर्थिंगटन जैसे विद्वान, जो एस्बरी थियोलॉजिकल सेमिनरी में पढ़ाते हैं, कहेंगे कि उन्हें यकीन है कि पॉल वास्तव में बयानबाजी में इन विशेषताओं के बारे में जानते थे जब वह फिलिप्पियों को लिख रहे थे। बयानबाजी की ये तीन विशेषताएँ मुख्य भाग हैं।

बयानबाजी में कुछ उप-घटक हैं जिन्हें आप नोट करना चाहेंगे क्योंकि मैं फिलिप्पियों को देखते समय उनमें से कुछ का उल्लेख करूँगा। बयानबाजी के उप-स्तर पर काम करने के तरीके में से एक विवरण वह है जिसे हम एक्सोडियम कहते हैं। प्राचीन बयानबाजी में एक्सोडियम बहुत, बहुत महत्वपूर्ण है।

यह बयानबाजी और बयानबाजी कौशल का वह हिस्सा है जो दर्शकों को आकर्षित करता है, जो दर्शकों को उनके काम से हटाकर आपके काम पर ध्यान केंद्रित करने या ध्यान देने के लिए

प्रेरित करता है। अगर आप चाहें तो इसे हुक कहते हैं। शायद जब आप हाई स्कूल में थे, तो आपने प्राचीन ग्रीक बयानबाजी की तीन प्रमुख बातों में से कुछ सीखी थीं।

ये तीन मुख्य बातें हैं लोकाचार और करुणा, और तीसरी है लोकाचार, करुणा और तर्क जो आप हाई स्कूल से सबसे पहले सीखते हैं। तर्क पदार्थ है, विषय-वस्तु है। करुणा वह भावनात्मक जुड़ाव है जो आप भाषण देने वाले के रूप में बनाना चाहते हैं, जिससे आप वास्तव में दर्शकों से जुड़ सकें।

बेशक, लोकाचार, यह तथ्य कि जो व्यक्ति भाषण दे रहा है वह ईमानदार व्यक्ति है और आपके पास प्रतिष्ठा है और आपको सुनने का अधिकार है, ये ऐसे कारक हैं जिन पर आपको विचार करने की आवश्यकता है। मैं यहाँ जिस बयानबाजी कौशल की बात कर रहा हूँ, वह इसी पर आधारित है। ये तीन मूलभूत बातें हैं जो किसी भी बुनियादी शिक्षित व्यक्ति द्वारा ग्रहण की जाती हैं।

मैं यहाँ जिन कौशलों की बात कर रहा हूँ, वे आगे के कौशल हैं जिन्हें आप सीखते हैं, एक्सोडियम उनमें से एक प्रमुख कौशल है। इसलिए, यदि आप कोई भाषण तैयार कर रहे हैं, तो आप एक्सोडियम के बारे में सोचते हैं। लोगों को सुनने से पहले, मुझे क्या करने की ज़रूरत है? और आप उन शब्दों में सोचना शुरू करते हैं।

दूसरा क्षेत्र है कथन। कथन सभी भाषणों में लागू नहीं होता, लेकिन कभी-कभी यह होता है, और यह वह हिस्सा है जो पृष्ठभूमि और तथ्यों से संबंधित होता है और मामला बनाता है। आप पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हैं, उन्हें जोड़ते हैं और वर्णन करते हैं क्योंकि आप अंग्रेजी शब्द पोषण जानते हैं, और उन्हें अपने साथ लाते हैं।

आधुनिक समय के न्यायालयों में वकील भी इस कौशल का इस्तेमाल करते हैं। वे कहानी सुनाते हैं। जब वे केस लॉ के बारे में बात करते हैं तो वे इसे लागू करने की कोशिश करते हैं।

प्रस्तावना एक और है, जिसमें बताया जाता है कि किस बात पर सहमति है और किस बात पर विवाद है या हो रहा है। प्रस्तावना में, आपका बयानबाजी शिक्षक आपको सिखाएगा कि आपको यह सोचना बंद कर देना चाहिए कि अगर आप लोगों को वह बताएँगे जो वे नहीं हैं, तो वे आप पर विश्वास करेंगे। आपको ऐसा करना बंद करना होगा।

आपको उन्हें यह बताने में सक्षम होना चाहिए कि हम सभी किस बात पर सहमत हैं। और इसलिए, हम सभी इस मामले में एक ही पृष्ठ पर हैं। हमें स्पष्टता से यह समझने में सक्षम होना चाहिए कि हम किस बात पर एकमत नहीं हैं और उन्हें तर्क के आपके पक्ष में क्यों होना चाहिए।

पॉल को ये कौशल मालूम थे। वाह। शायद आपने सोचा होगा कि मैं फिलिप्पियों का अध्ययन करने जा रहा हूँ।

अब, ऐसा लगता है कि मैं प्राचीन यूनानी बयानबाजी का अध्ययन कर रहा हूँ। हाँ। और मैं आपको बताता हूँ कि क्यों।

इनमें से कुछ विशेषताओं का अध्ययन इतना महत्वपूर्ण है कि आप समझ सकते हैं कि नए नियम के पत्र पढ़ने के लिए नहीं थे। वे लोगों को उठाकर पढ़ने और अध्ययन करने के लिए नहीं थे। वे वास्तव में लोगों को सुनने के लिए लिखे गए थे।

ताकि एक या दो लोग जो पढ़ना जानते हैं, वे स्पष्टता से उन्हें पढ़ेंगे और बाकी लोग सुनेंगे। और क्योंकि वे ज्यादातर लोगों के लिए सुने जाने के लिए हैं, इसलिए जो कहा जा रहा है उसे स्पष्टता से संप्रेषित करने के लिए बयानबाजी महत्वपूर्ण है। यदि आप सभी सार, तथ्य और आंकड़ों को एक साथ रखते हैं, तो वे बहुत उबाऊ लगते हैं, और जब उन्हें पढ़ा जाता है, तो लोग उनका अनुसरण नहीं करेंगे।

और ऐसा लगता है कि पॉल इन पैटर्न का पालन कर रहा था, जिसमें प्रोबेटियो भी शामिल था, जो वक्ता की विश्वसनीयता के आधार पर प्रमाण स्थापित करता था। यदि आप ऐसे व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं जो सच नहीं बोलता है और अब आप सत्य के गुण के बारे में बात कर रहे हैं, तो आप मुश्किल में हैं। आपको इसे अपने दिमाग में रखना चाहिए ताकि यदि आप जिस बारे में बात कर रहे हैं या जिस पर आप तर्क दे रहे हैं, उसमें आप विश्वसनीय नहीं हैं, तो आप यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप कहीं न कहीं इसका विरोध करें।

आपके बयानबाजी के शिक्षक इन विशेषताओं की ओर आपका ध्यान आकर्षित करेंगे और कहेंगे, अगर आप किसी को मनाने जा रहे हैं तो इन बातों का ध्यान रखें। यहाँ सूची में सबसे आखिरी में खंडन है, जो शाब्दिक रूप से, जैसा कि अंग्रेजी में लगता है, बयानबाजी का वह हिस्सा है जो किसी विरोधी तर्क को अस्वीकार या खंडन करता है। ऐसा लगता है कि पॉल को यह पता था।

और अब वह दोस्तों को पत्र लिख रहा है। वह विवादों और उन सभी जटिल मुद्दों को संबोधित नहीं कर रहा है। और इसलिए उसे झूठे शिक्षकों के बारे में वास्तव में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, कि वे क्या करने की कोशिश करने जा रहे हैं, और अन्य पत्रों में सभी जटिल मुद्दे।

अब वह आराम से बैठकर दोस्तों को पत्र लिख सकता है। इसी बात पर हम फिलिप्पियों 1 की ओर मुड़ते हैं। फिलिप्पियों 1 की आयत 1 और 2 से, पॉल लिखते हैं, फिलिप्पियों 1, मसीह यीशु के सेवक पॉल और तीमुथियुस की ओर से, मसीह यीशु में सभी संतों को जो फिलिप्पी में ओवरसियरों और डीकनों के साथ रहते हैं, हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शांति मिले। अब तक आप देख सकते हैं कि यह पॉल में एक मानक अभिवादन है।

पॉल, आपका ध्यान ग्रीको-रोमन पत्रों के काम करने के तरीके की ओर आकर्षित करते हुए, सीधे यह बताने जा रहे हैं कि पत्र लेखन वहाँ कैसे काम करता था क्योंकि इन अभिवादनों में तीन घटक स्पष्टता दिखाते हैं। ग्रीको-रोमन प्रिस्क्रिप्ट में या किसी पत्र की शुरुआत में, भेजने वाले का नाम दिया जाएगा, अभिवादन दिया जाएगा, और प्राप्तकर्ताओं के नाम का उल्लेख किया जाएगा। और अनुमान लगाइए कि पॉल यहाँ क्या करता है? पॉल उन लोगों की पहचान करता है जो पत्र भेज रहे हैं, और वह कहता है कि यह वह था, पॉल।

वह, पॉल और तीमुथियुस थे। तीमुथियुस पॉल का सहकर्मी था। देखिए कि उसने अपने रिश्ते को एक सरल संयोजन के साथ कैसे वर्णित किया: पॉल और तीमुथियुस।

दास, अगर मैं शाब्दिक रूप से अनुवाद करूँ, तो मसीह यीशु के दास या सेवक। हम जानते हैं कि तीमुथियुस और पौलुस शाब्दिक रूप से दास नहीं हैं। यह एक रूपक है जो वास्तव में उनके रिश्ते की प्रकृति को व्यक्त करता है।

उनके रिश्ते की प्रकृति यह है कि वे यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु मानते हैं। और अगर यीशु उनके जीवन का प्रभु है और वे प्रभु यीशु मसीह के दास हैं, तो उनका पूरा जीवन यीशु मसीह की आज्ञा या इच्छाओं को पूरा करने के लिए समर्पित है। इस अर्थ में, वे कह सकते हैं कि हम सेवक या दास हैं, और वह हमारा प्रभु और हमारा स्वामी है।

यह कहना कि वे मसीह यीशु के सेवक हैं, यह सुझाव देना है कि वे अपने जीवन पर यीशु मसीह के प्रभुत्व को स्वीकार करते हैं। एक लेखक, मोइसेस सिल्वा, वास्तव में फिलिप्पियों में अपनी टिप्पणी में इन सरल अभिवादनों में एक बहुत अच्छी टिप्पणी करता है। मोइसेस सिल्वा ने देखा कि जब पौलुस पौलुस और तीमुथियुस को सेवक लिखता है, तो वह मसीह यीशु के सेवक कहता है, और वह मसीह यीशु में उन संतों से कहता है जो फिलिप्पी में हैं, और फिर बाद में पद दो में, वह कहता है कि हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शांति मिले।

और मोइसेस ने इसे समझाने के लिए यह लिखा है। यह जानना दिलचस्प है कि चार पत्रों में से जिसमें पॉल ने खुद को एक प्रेरित के रूप में पेश नहीं किया है ; तीन मैसेडोनियन चर्चों, फिलिप्पियों और एक और दो थिस्सलुनीकियों को संबोधित थे। चौथा फिलेमोन है, जहाँ अवसर की नज़ाकत, जैसा कि श्लोक 17 से 20 में देखा गया है, इस विशेषता के लिए जिम्मेदार है।

पौलुस को फिलिप्पी में अपने प्रेरितिक अधिकारों का इस्तेमाल करने की ज़रूरत नहीं है। उसे यह दिखाने की ज़रूरत नहीं है कि उसके पास कोई आध्यात्मिक अधिकार है। वह अपने दोस्तों को लिख रहा है।

यह इस बात से ज़्यादा है कि वे मसीह में एक साथ कौन हैं। वे मसीह के सेवक हैं। वे मसीह में संत हैं।

वे संत हैं जो फिलिप्पी में मसीह में निवास करते हैं। मुझे तीमुथियुस के बारे में एक संक्षिप्त अभ्यास करने दीजिए। इस विवरण में तीमुथियुस क्यों है? क्योंकि तीमुथियुस का इस क्षेत्र से संबंध मकिदुनिया और अखैया में पौलुस की पिछली सेवकाई से जुड़ा है।

जब वे उस क्षेत्र में गए जिसे हम आज कहेंगे, या इस विशेष पत्र में, हम फिलिप्पी और थिस्सलुनीके कहेंगे। सभी संकेतों से ऐसा लगता है कि पॉल एकमात्र लेखक है, लेकिन वह यह दिखाने के लिए भी टिमोथी का उल्लेख करता है कि वह अकेला नहीं है, कि टिमोथी वास्तव में उसके साथ है, और तेजी से, विद्वान इस राय की ओर झुक रहे हैं कि पॉल इस बार टिमोथी का

उल्लेख करते हुए लिख रहा है, इसलिए नहीं कि वह सचमुच टिमोथी के साथ लिख रहा है, बल्कि यह दिखा रहा है कि टिमोथी वास्तव में उसके साथ है और वे सभी एक साथ मसीह के सेवक हैं। यह सुझाव दिया गया है कि यह एक परिचित व्यक्ति को सहयोगी गवाह के रूप में चर्चा में लाने का एक प्रयास भी हो सकता है, और सिल्वा इस ओर इशारा करते हैं।

हालाँकि, जब आप इस परीक्षण को देखते हैं, तो यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस समीकरण में टिमोथी कितना महत्वपूर्ण है। पॉल जरूरी नहीं कि टिमोथी से पूछ रहा हो कि अगर मैं एक लाइन चलाता हूँ, तो मैं एक लाइन लिखता हूँ, आप दूसरी लाइन लिखते हैं, लेकिन यहाँ जो कुछ भी हो रहा था, जैसा कि मैं तर्क देता हूँ, वह यह है कि पॉल लिख रहा है और दिखा रहा है कि टिमोथी शारीरिक रूप से उसके साथ मौजूद है और अगर टिमोथी उसके साथ बिल्कुल भी नहीं लिख रहा है, तो टिमोथी देख रहा है कि क्या लिखा जा रहा है और टिमोथी उसके साथ एक आत्मा में है। विदरिंगटन का कहना है कि टिमोथी का उल्लेख पॉल के कई पत्रों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों और फिलेमोन के प्रिस्क्रिप्ट में किया गया है, जो दर्शाता है कि टिमोथी निश्चित रूप से पॉल के साथ उनकी घर की गिरफ्तारी के दौरान था, एक घटना जो संभवतः रोम में 60 से 62 ईस्वी या ई.पू. के दौरान हुई थी।

विदरिंगटन इस तथ्य को जोड़ना चाहेंगे कि पॉल को टिमोथी का उल्लेख करना पसंद है, चाहे वह उसके साथ लिख रहा हो या नहीं। यह कोई नई बात नहीं है। पॉल यह दिखाना चाहता है कि टिमोथी उसके साथ है।

और यह मुझे प्राप्तकर्ताओं के पास ले आता है। पद 2, या क्षमा करें, पद 1 का दूसरा भाग है। पॉल उन्हें संत कहता है। वे संत हैं।

वे वे लोग हैं जिन्हें परमेश्वर के उपयोग के लिए अलग रखा गया है। वे संत नहीं हैं जिन्हें पोप द्वारा संत बनाया गया है। वे संत इसलिए हैं क्योंकि उन्हें पवित्र रखने के लिए या प्रभु के लिए किसी विशेष सेवा के लिए अलग रखा गया है, अर्थात् प्रभु यीशु मसीह में सेवा के लिए।

और वे किसी के संत नहीं हैं। उन्हें किसी कारण से अलग नहीं किया गया है। लेकिन वे मसीह में संत हैं।

और यहाँ मसीह वह स्थान हो सकता है जहाँ वे रहते हैं और संतों के रूप में कार्य करते हैं। वह क्षेत्र जहाँ मसीह प्रभु हैं। वह क्षेत्र जहाँ उनकी शिक्षा और उनका आचरण मसीह द्वारा आकार लिया जाता है।

दिलचस्प बात यह है कि मसीह के रूप में उन्हें उद्धृत करने और संदर्भित करने के निर्देश में कुछ दिलचस्प आयाम हैं। और मुझे फिलिप्पी में मसीह यीशु में सभी संतों को यह पाठ पढ़ने दें।

सवाल यह है कि क्या यह तथ्य कि यीशु मसीह में फिलिप्पी से पहले आए, यह दर्शाता है कि पौलुस उनकी नागरिकता या उनके स्थान का उल्लेख करने से पहले इस बात पर ज़ोर देना चाहता है कि वे मसीह में कौन हैं? यह अच्छी तरह जानते हुए कि ये फिलिप्पी के मसीही हैं। उन्हें अपनी नागरिकता पर गर्व है। उन्हें इस बात पर गर्व है कि वे कहाँ से आए हैं।

जब आप उनके साथ परेशानी में पड़ते हैं, जैसा कि हमने प्रेरितों के काम में देखा, फिलिप्पी के नागरिकों ने वास्तव में कहा, हम रोमी हैं, और पौलुस और अन्य लोग हमारे रीति-रिवाजों को बदलने की कोशिश करने आए हैं। क्या यह संभव है कि पौलुस, बिलकुल शुरुआत में, यहाँ एक संकेत दे रहा है कि आपकी असली पहचान मसीह में है? और आप मसीह में विश्वास करने वाले हैं जो संयोग से फिलिप्पी में हैं।

अगर ऐसा है, तो पत्र के बाकी हिस्सों में हम जो टिप्पणियाँ देखेंगे, उनमें से कुछ बहुत मायने रखती हैं। पॉल नागरिकता पर बात करेंगे और उन्हें यह समझने में मदद करेंगे कि सच्ची नागरिकता कहाँ देखी जानी चाहिए। पॉल ने यहाँ एक दिलचस्प टिप्पणी की है।

जब वह उल्लेख करता है कि वह मसीह यीशु में उन संतों को यह लिख रहा है जो फिलिप्पी में हैं, तो वह ओवरसियर और डीकन के साथ भी कहता है। यह बिशप का सबसे पहला संदर्भ है। स्क्रीन पर आपके लिए अनुवादित ग्रीक शब्द एपिस्कोपल है।

दूसरे शब्दों में, एल्डर्स या बिशप पहली बार हम इसे देख पा रहे हैं। इस शब्द का अनुवाद किया जा सकता है। आप में से जो लोग कैथोलिक या एंग्लिकन जैसी परंपराओं से आते हैं, वे बिशप शब्द से परिचित हो सकते हैं, या कभी-कभी लैटिन समकक्ष एपिस्कोपोस का उपयोग उन संदर्भों में एल्डर या किसी पद के लिए किया जाता है।

पॉल ने इस शब्द को यहाँ यूनानी में इस्तेमाल किया है, और सवाल यह है। क्या इसका मतलब यह है कि बिशप थे? फिलिप्पी के चर्च में, क्या चर्च पहले से ही इस हद तक विकसित हो चुका है कि लोग बिशप के रूप में पद धारण कर सकते हैं? यह ध्यान देने योग्य एक दिलचस्प सवाल है क्योंकि ये दो शब्द पहले तीमुथियुस में नेताओं को नामित करने के लिए कहीं और दिखाई देते हैं। शब्द एपिस्कोपल या एल्डर्स वहाँ उन लोगों के संदर्भ में अधिक दिखाई देता है जो नेता हैं, और ग्रीक शब्द डायकोनोस या एक मंत्री भी वहाँ एक पद के रूप में दिखाई देता है।

लेकिन हमें फिलिप्पियों पर इस बात पर जोर देने के तरीके में सावधानी बरतने की ज़रूरत है क्योंकि अगर हम यह सवाल उठाते हैं कि गैर-ईसाई अर्थ में जिस तरह से एपिस्कोपल का इस्तेमाल किया जाता है, क्या उसमें इनमें से कुछ तत्व हैं, तो इसका जवाब हां होगा। राजनेता इसका इस्तेमाल करते हैं। वे इसका इस्तेमाल कमिश्नर के पद या कॉलोनी के ओवरसियर के पद के लिए करते हैं।

लेकिन क्या यह संभव है कि पॉल इसे अलग तरीके से इस्तेमाल कर रहा है, यह कहने के लिए कि एल्डर्स हैं और ऐसे लोग हैं जो चर्च में सेवा करते हैं, बिना यह कहे कि संस्थागत संरचनाएँ हैं जहाँ हमारे पास बिशप हैं और हमारे पास डीकन हैं। नए नियम के विद्वान इस विचार से असहज हैं कि फिलिप्पियों के समय तक बिशप स्थापित हो चुके थे क्योंकि हम जो कुछ भी जानते हैं वह इस बात का समर्थन नहीं करता है कि बिशप का पद उतना ही स्थापित था जितना कि हम आज कैथोलिक चर्च और उस तरह के चर्चों में जानते हैं। लेकिन हम दूसरी सदी में बाद में इरेनियस जैसे किसी व्यक्ति से जानते हैं कि हम चर्च संरचनाओं के बारे में बात करेंगे, और दूसरी सदी में उस समय तक, ये प्रमुख पद बन जाएंगे जिन्हें लोग धारण करेंगे।

हालाँकि, इस समय तक, कार्यालय उस तरह से विकसित नहीं हुआ था। यह धीरे-धीरे पादरी पत्रों के समय तक और अधिक विकसित होता गया, जैसा कि हम 1 तीमुथियुस में देखते हैं। लेकिन फिलिप्पियों के समय तक, हम ऐसे चर्चों के बारे में जानते हैं जो ज़्यादातर घरेलू चर्च हैं, ढीले या आरामदेह नेतृत्व संरचनाएँ, जहाँ लोग मिलते हैं और संगति करते हैं और सीखते हैं और विश्वासियों के रूप में एक साथ अच्छा समय बिताते हैं और न कि डीकन और बिशप की संरचनाओं वाले चर्च।

यह मुझे पौलुस के अभिवादन की भाषा पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है। क्या आपने देखा कि वह पौलुस के अंदाज में उनका अभिवादन कैसे करता है? हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से आपको अनुग्रह और शांति मिले। अनुग्रह।

मैं आपको हर बार याद दिलाता रहूँगा कि पॉल इस शब्द का इस्तेमाल कब करता है क्योंकि पॉल की समझ में यह महत्वपूर्ण है। अनुग्रह, वह शब्द जिसका अनुवाद उपहार के रूप में किया जा सकता है, पॉल के लिए कुछ अलग अर्थ रखने लगा। इसका अर्थ एक ऐसे उपकार या दया से होने लगा जो एक बहुत ही जिद्दी व्यक्ति पर दिखाया गया था जो धारा के विपरीत तैर रहा था और सबसे बुरे से बुरे का हकदार था, लेकिन फिर भी भगवान ने उस पर दया की।

उनके लिए अनुग्रह एक धार्मिक शब्द है। अनुग्रह सिर्फ़ एक उपहार नहीं है। यह दया या अनुग्रह है जो अयोग्य को दिया जाता है।

एक बार, एक फरीसी अपने मन में परमेश्वर के लिए सही काम कर रहा था, प्रभु यीशु मसीह के चर्च को सता रहा था, उसे चमत्कारिक तरीके से किसी ऐसे व्यक्ति का सामना करना पड़ा जिसने खुद को इस तरह से पेश किया कि मैं वह मसीह हूँ जिसे तुम सताते हो। जब वह अपने मन को इस मसीह द्वारा चुनौती दिए जाने, दंडित किए जाने या दंडित किए जाने के लिए तैयार कर रहा था, तो उसने उस पर दया दिखाई। दमिश्क के उस दिन के अनुभव में, पॉल बाद में हनन्याह नाम के प्रभु यीशु मसीह के एक और अनुयायी से मिला।

वह उसे और भी बहुत कुछ बताएगा और उसे बपतिस्मा देगा, और उसका जीवन बदल जाएगा। हमें बताया जाएगा कि प्रेरितों के काम की पुस्तक में पॉल, वास्तव में दमिश्क में सुसमाचार का प्रचार करना शुरू कर देगा। वाह! यही उसका गंतव्य था कि वह जाकर यीशु मसीह के अनुयायियों को सताए।

पॉल के लिए, यह अनुग्रह है। वह उस दया के लायक नहीं था जो उसे दिखाई गई, और वह इस भाषा, अनुग्रह की भाषा, एक धर्मशास्त्रीय रूप से भरी हुई भाषा को लाएगा ताकि वह अपनी समझ को दर्शा सके कि परमेश्वर ने मानवता के साथ क्या किया है, जो दूषित और पाप में फंसी हुई है। पॉल इस भावना में अनुग्रह का स्वागत करता है।

आप पर अनुग्रह हो। और परमेश्वर की ओर से आपको शांति, शालोम और कल्याण मिले। और परमेश्वर की ओर से यह शांति, पौलुस चाहता है कि आप यह जानें कि यह शांति परमेश्वर की ओर से आती है, जिसे हमारे पिता और हमारे प्रभु यीशु मसीह के स्वामी के रूप में देखा जा सकता है।

फिलिप्पियों की इन दो आयतों में सूत्र के बारे में सोचते हुए, हैनसेन ने यह अवलोकन किया। मसीह यीशु, मसीह यीशु, प्रभु यीशु के नाम की तीन बार पुनरावृत्ति, केंद्रीय विषय को प्रस्तुत करती है जो पूरे पत्र में फिर से प्रकट होती है और मसीह के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द सब कुछ एकजुट करती है। ब्रिटिश विद्वान एफएफ ब्रूस यहाँ तक कहते हैं कि जब हम फिलिप्पियों में इस शब्द में शांति के बारे में सोचते हैं, तो हमें इस तरह से शांति के बारे में सोचना चाहिए।

ब्रूस के अनुसार शांति, सभी आशीर्वादों का योग है, चाहे वे सांसारिक हों या आध्यात्मिक। और अनुग्रह ही वह स्रोत है जहाँ से वे आते हैं। इसलिए, पौलुस शांति प्रदान करता है, और केवल शांति ही नहीं, बल्कि फिलिप्पी में अपने मित्रों को हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु का अनुग्रह और शांति प्रदान करता है।

यह इस बात पर है कि वह कृतज्ञता के साथ शुरू कर सकता है और परमेश्वर जो कर रहा है उसके लिए धन्यवाद दे सकता है। वह अध्याय एक की आयत तीन से लिखता है, मैं अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ जब भी मैं तुम्हें याद करता हूँ, हमेशा तुम्हारे लिए मेरी हर प्रार्थना में, मैं पहले दिन से लेकर अब तक सुसमाचार में तुम्हारी भागीदारी के कारण खुशी से प्रार्थना करता हूँ। मुझे यकीन है कि जिसने तुममें अच्छा काम शुरू किया है, वह मसीह यीशु के दिन इसे पूरा करेगा।

मेरे लिए तुम सब के बारे में ऐसा महसूस करना उचित है क्योंकि मैं तुम्हें अपने हृदय में रखता हूँ, क्योंकि तुम सब मेरे साथ अनुग्रह के भागीदार हो। मेरे कारावास में और सुसमाचार के बचाव और पुष्टि में, क्योंकि परमेश्वर मेरा गवाह है, कि मैं मसीह यीशु के स्नेह के साथ तुम सब के लिए कितना तरसता हूँ। और यह मेरी प्रार्थना है कि तुम्हारा प्रेम ज्ञान और विवेक के साथ और भी बढ़ता जाए ताकि तुम उत्तम बातों को स्वीकार करो, और मसीह के दिन के लिए शुद्ध और निर्दोष बनो।

मसीह के द्वारा आने वाले धार्मिकता के फल से भर जाओ, जिससे परमेश्वर की महिमा और स्तुति हो। आइए हम बस थोड़ा रुकें और पौलुस की प्रार्थना और धन्यवाद को थोड़ा और करीब से देखें। यहाँ हम पौलुस की प्रार्थना और धन्यवाद में देखते हैं, आप देख सकते हैं कि वास्तव में, अंग्रेजी भाषा के विपरीत, यदि आप ग्रीक को देख रहे हैं, तो अंग्रेजी अनुवाद पर मेरा नज़रिया जो मैं अभी ESV से पढ़ रहा हूँ, उसमें ऐसा बिल्कुल नहीं है।

दरअसल, आयत 3 से 8 ग्रीक में एक वाक्य है। मैं पॉल की कुछ पंक्तियों को बेदम आह्वान या धन्यवाद की बेदम अभिव्यक्ति कहता हूँ। ज़रा कल्पना करें कि आपको यह पत्र बड़ी संख्या में लोगों या चर्च में लोगों के एक समूह को पढ़ने के लिए कहा जाता है, और आपको आयत 3 से 8 पढ़नी है, और यह एक वाक्य है।

आप इसे कैसे करेंगे? आप इसे कितनी तेजी से करेंगे? पॉल की जटिल ग्रीक रचनाओं में, आप शब्दों का उच्चारण कैसे करेंगे? कभी-कभी मैं कल्पना करता हूँ कि पॉल इतना उत्साहित और आनंद से भरा हुआ है कि वह आता है और बस लिखता है, और जब भी मैं उसे ये लंबे वाक्य

लिखते हुए देखता हूँ, तो उसके पास कहने के लिए ये सभी अद्भुत बातें होती हैं, जैसा कि आप केवल फिलिप्पियों में ही नहीं बल्कि इफिसियों 1 में भी देखेंगे जहाँ आपको अध्याय 1 पद 3 से लेकर मुझे लगता है कि पद 13 तक एक वाक्य है और वह बस बातें कहने के लिए कितना उत्साहित है। जब हम पॉल के धन्यवाद के बारे में सोचते हैं तो इस बारे में सोचें। इस धन्यवाद के मुख्य जोर को देखें।

साझेदारी। संगति। वह भागीदार होने की बात करता है।

जब वह इन लोगों की यादों के बारे में बात करता है, तो वह आत्मविश्वास व्यक्त करता है और कहता है कि पद 5, क्योंकि पहले दिन से लेकर अब तक सुसमाचार में आपकी भागीदारी रही है। पद 7. मेरे लिए आप सभी के बारे में ऐसा महसूस करना उचित है क्योंकि मैं आपको अपने दिल में रखता हूँ, और क्योंकि आप सभी मेरे साथ अनुग्रह के भागीदार हैं। आप पद 8 कहते हैं। क्योंकि परमेश्वर मेरा गवाह है कि मैं मसीह यीशु में स्नेह के साथ तुम्हारे लिए कैसे तरसता हूँ।

आप शायद सोच रहे होंगे कि पॉल भावुक हो रहा है। पुरुष ऐसा नहीं करते। नहीं, पुरुष ऐसा करते हैं।

जब लोग उत्साहित होते हैं, तो साझेदारी, संगति, स्नेह और दोस्तों के साथ रहने की इच्छा व्यक्त करना ठीक है। पॉल के लिए, उसकी प्रार्थना और धन्यवाद में, आप देखते हैं कि विदरिंगटन ने एक प्रस्तावना के रूप में क्या पहचाना है जहाँ वह एक भावनात्मक प्रतिक्रिया को जगाने का इरादा रखता है। जब लोग पॉल के बारे में पढ़ते हैं, तो हम देखते हैं कि वह हमें अपने दिल में रखता है।

सच में, ओह, मैं कल्पना कर सकता हूँ कि कुछ किशोर यह सोच रहे होंगे कि ओह, यह पॉल है। हम उससे प्यार करते हैं। पॉल ऐसा नहीं है, और वह इस खास मण्डली के बारे में अपनी परवाह दिखाने से पीछे नहीं हटता।

और इसलिए, अगर वह एक्सोडियम का इस्तेमाल करता है, तो हाँ, ऐसा ही हो। वह प्रतिक्रिया उत्पन्न करना चाहता है। वह इस बयानबाजी की रणनीति को जानता है।

और फिर भी, यह सिर्फ बयानबाजी के लिए बनाई गई बयानबाजी की रणनीति नहीं है, बल्कि लोगों तक उनकी सच्ची मंशा और इच्छा को पहुँचाने के लिए है। वह उनकी बहुत परवाह करता है। पद 5 में, आप उस वित्तीय सहायता का संकेत देखते हैं जो चर्च पॉल को दे रहा था।

पहले दिन से लेकर अब तक सुसमाचार में आपकी भागीदारी के कारण, यदि उन्होंने पॉल के साथ महत्वपूर्ण तरीकों से भागीदारी की है, तो शायद उन्होंने ऐसा अपने वित्तीय योगदान से बेहतर तरीके से नहीं किया है। इसके लिए, पॉल आभारी है। धन्यवाद को देखते हुए, मैं बस कुछ चीजों पर प्रकाश डालना चाहता हूँ जिनके लिए पॉल यहाँ धन्यवाद दे रहा है।

मैं अपने ईश्वर का धन्यवाद करता हूँ, वह लिखते हैं, आपके लिए मेरी सभी यादों में। वाह, याददाश्त एक अच्छी चीज है। यह उन चीजों में से एक है जो मैं पुराने नियम का विद्वान नहीं हूँ,

लेकिन यह उन चीजों में से एक है जो मुझे पुराने नियम के बारे में पसंद है और जिसका मैं आनंद लेता हूँ।

कभी-कभी, शब्दों को पढ़ते हुए और पढ़ते हुए याद रखें। यदि आप केवल रिश्तों, ईश्वर के साथ अनुभव और अतीत में जो कुछ भी था, उसे याद करते हैं, तो उन्हें इस बात को प्रभावित करना चाहिए कि आप चीजों को कैसे देखते हैं। पॉल के लिए, वह वास्तव में इन लोगों को याद करने के लिए समय निकालता है क्योंकि वे उसके लिए प्रिय हैं।

उन्होंने अपने धन्यवाद में बिना किसी हिचकिचाहट के इसे व्यक्त किया। अपने धन्यवाद में, वह वास्तव में दिखाता है कि वह खुशी के साथ प्रार्थना करता है। और वास्तव में, वह इस तरह की महान साझेदारी के लिए भगवान को धन्यवाद देता है जो उसके और इस विशेष चर्च के बीच मौजूद है।

वे बहुत अच्छे साझेदार रहे हैं। इसके लिए भगवान का शुक्रिया अदा करना बहुत बड़ी बात है। और यह साझेदारी अलग-अलग तरीकों से सामने आती है।

इस भागीदारी के कारण, वह उनके बीच परमेश्वर के अच्छे काम का आश्वासन व्यक्त कर सकता था। मुझे यह बहुत दिलचस्प लगता है कि पौलुस पद 6 जैसे कुछ साहसिक कथन कर सकता है। और मुझे इस बात का पूरा भरोसा है कि जिसने तुममें एक अच्छा काम शुरू किया है, वह यीशु मसीह के दिन इसे पूरा करेगा। मुझे बस रुककर पूछना है, क्यों? पौलुस इतना बड़ा धन्यवाद क्यों व्यक्त कर रहा है? खैर, मैं आपको सोचने के लिए बस एक या दो बातें बताता हूँ।

मैंने पहले ही कुछ बातों पर प्रकाश डाला है। लेकिन उनके दिल में उनका एक खास स्थान है। अगर हमने पॉल के बारे में ऐसा कहीं और नहीं देखा है, तो हमें इन लोगों के साथ उसके रिश्ते के बारे में सोचना चाहिए।

पॉल के लिए, सच्ची साझेदारी वास्तव में मायने रखती है। और इसी वजह से वह कह सकता है कि परमेश्वर उसका गवाह है, इसीलिए फिलिप्पी की कलीसिया के लिए उसके मन में गहरी लालसा है। गहरी लालसा, जैसा कि आप मुझे इस व्याख्यान श्रृंखला में कई बार कहते हुए सुनेंगे, पॉल परमेश्वर को धन्यवाद देने, कृतज्ञता के हृदय को प्रोत्साहित करने और प्रार्थना करने में तत्पर है।

मुझे लगता है कि पॉल में प्रार्थना पॉलीन के सभी अध्ययनों में कम जोर दिए जाने वाले विषयों में से एक है। यह एक ऐसा व्यक्ति है जो प्रार्थना के बारे में बात करना पसंद करता है और पत्रों की शुरुआत प्रार्थना और इसी तरह से करता है। देखिए कि वह कैसे प्रार्थना करता है और पद 9 से अपनी प्रार्थना व्यक्त करता है। और यह मेरी प्रार्थना है कि आपका प्रेम अधिक से अधिक बढ़े, आपका प्रेम बढ़ता रहे।

पॉल के लिए, वह इस प्रेम की प्रकृति को व्यक्त करेगा। यह न केवल उनके साथ एक भावनात्मक संबंध है, बल्कि यह एक ऐसा संबंध है जो बुद्धि और सभी विवेक के साथ व्यक्त किया जाता है। पॉल, याचिका के लिए अपनी प्रार्थना में, यह माँगता है कि जब वह प्रार्थना करता है, तो उनका

प्रेम सभी ज्ञान और विवेक के साथ बढ़े, वह प्रार्थना करता है कि वे जो उत्तम है उसे स्वीकार करें, और इसलिए मसीह के दिन के लिए शुद्ध, नैतिक रूप से और निर्दोष बनें, यीशु मसीह के माध्यम से आने वाली धार्मिकता के फल से भरे रहें।

महिमा और प्रशंसा के लिए। याद रखें, मैंने बताया था कि कैसे उसने परमेश्वर की प्रशंसा के लिए प्रशंसा और दोष का इस्तेमाल किया। पौलुस नैतिक उत्कृष्टता के लिए प्रार्थना करता है, और वह धार्मिकता के फल के बारे में बात करता है।

गलातियों में, जो हमारी परीक्षा का हिस्सा नहीं है, पौलुस आत्मा के फल के बारे में बात करने के लिए उसी रूपक का उपयोग करता है। फल प्राकृतिक वृद्धि से पैदा होता है। विश्वासी के लिए धार्मिकता कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे थोपा जाता है।

जो लोग मसीह में बढ़ रहे हैं, उनके लिए यह नैतिक शुद्धता उनके विकास का स्वाभाविक परिणाम बन जाती है। और वह प्रार्थना करता है कि यह विश्वासियों के बीच वास्तविक हो जाए। चर्च के लिए नैतिक आकांक्षाओं के लिए प्रार्थना करते हुए, वह वास्तव में प्रार्थना करता है कि यह मसीह के दिन तक या उसके बाद, युगांतिक समय सीमा में इतना वास्तविक हो जाएगा।

मुझे पॉल पसंद है, और मुझे पसंद है कि वह इन बातों को कैसे सामने लाता है। और मेरे लिए, शायद मुझे यहाँ रुककर आपको कुछ ऐसे विषय दिखाने चाहिए जो उसने अपनी प्रार्थना में उजागर किए हैं ताकि आप खुद इस पर विचार कर सकें। चाहे आप गाड़ी चला रहे हों या आप एक साथ इस विषय का अध्ययन कर रहे हों, बस इसके बारे में सोचें।

यदि आप डेस्क के सामने बैठे हैं, तो मेरा सुझाव है कि आप वास्तव में अपनी बाइबल खोलें और प्रार्थना में इन विषयों को देखना शुरू करें। आनन्द, आनन्द, संगति या भागीदारी, अब तक के सुसमाचार का उल्लेख, प्रेम और स्नेह, मसीह का दिन, चर्च की उदारता। देखें कि ये विषय किस तरह से शुरू से लेकर अब तक आगे बढ़ते हैं और समझना शुरू करें कि इस चर्च के साथ पॉल के रिश्ते के संदर्भ में क्या चल रहा है।

मैं पद 1 से 11 तक की चर्चा को बेन विदरिंगटन के एक उद्धरण के साथ समाप्त करना चाहूँगा, बेन विदरिंगटन का एक और उद्धरण। आपने मुझे उनका बहुत बार उल्लेख करते सुना होगा क्योंकि वह उन लोगों में से एक हैं जिन्होंने हाल ही में फिलिप्पियों पर एक टिप्पणी प्रकाशित की है। मैं इस विषय पर उनके विचारों का लाभ उठाना चाहता हूँ।

बेन विदरिंगटन लिखते हैं, " सोचने और मानसिक चिंतन पर जोर देने से फिलिप्पियों को अन्य पॉलिन दस्तावेजों से अलग पहचान मिलती है, जिसमें ग्रीक शब्द फ़ोनेओ के लगभग दस प्रयोग हैं, जिसका अर्थ है सोचना, मानसिक रूप से प्रक्रिया करना और यह फिलिप्पियों में समानार्थी है, जबकि अन्य सभी निर्विवाद पॉलिन पत्रों में केवल 11 हैं। पॉल चर्च को उनके सोचने के तरीके में चुनौती देने जा रहा है। अब तक आपने देखा है कि यहाँ कैसे संबंध और आध्यात्मिकता विकसित की जा रही है।

और वह कुछ बातों पर प्रकाश डालेंगे। मैं आपको कुछ बातें बताना चाहता हूँ। यहाँ हम जिस कथा का अनुसरण कर रहे हैं, उसे बेन विदरिंगटन ने स्पष्ट रूप से पॉल द्वारा प्राचीन बयानबाजी को अपनाने और फिर नरेशू के साथ अपने बयानबाजी के ढांचे में आगे बढ़ने के रूप में वर्गीकृत किया है।

यही कारण है कि विदरिंगटन, जिनकी टिप्पणी वास्तव में उस प्रभाव के लिए हकदार है, आगे कहते हैं, वर्णन श्रोताओं को यह बताकर आगे की बात के लिए मंच तैयार करता है कि पॉल और उनके सुसमाचारों को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था ताकि पॉल के बारे में उनके डर को कम किया जा सके और उन्हें एक उदाहरण प्रदान किया जा सके कि कैसे प्रतिकूलताओं और संभावित प्रतिकूलताओं का सामना करना है। तो, विदरिंगटन बस यह कहने की कोशिश करेंगे, अरे, आप जानते हैं क्या? पॉल जानता है, आप जानते हैं, पॉल जानता है कि वास्तव में, ये लोग जरूरी नहीं कि पीड़ित हों, लेकिन क्योंकि वह पीड़ित है, वह वास्तव में उन्हें एक अच्छा मॉडल दिखाने के लिए लाभ उठा सकता है, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि उसने उनका विश्वास अर्जित किया है और वे उसके पक्ष में होने जा रहे हैं। छंद 12 से 26 में, हम इसके कुछ क्षेत्रों को देखते हैं।

कुछ अवलोकन, सामान्य अवलोकन आप यहाँ करेंगे इससे पहले कि मैं बाद में व्याख्यान में इसका खुलासा करूँ। आप देखेंगे कि यहाँ उपस्थित श्रोता कुछ बातों से अवगत हैं, और शायद मुझे पाठ पढ़ना चाहिए। मैं चाहता हूँ कि आप जानें, भाइयों, कि मेरे साथ जो कुछ हुआ है, उसने वास्तव में सुसमाचार को आगे बढ़ाने का काम किया है ताकि यह पूरे शाही रक्षक दल या कुछ अनुवादों में प्रेटोरियम और बाकी सभी को पता चल जाए कि मेरा कारावास मसीह के लिए है।

और मेरे कैद होने से प्रभु में भरोसा पाकर अधिकांश भाई निडर होकर वचन सुनाने में और भी अधिक साहसी हो गए हैं। कुछ लोग ईर्ष्या और प्रतिद्वंद्विता से प्रचार करते हैं, लेकिन कुछ सद्भावना से। दूसरे लोग प्रेम से प्रचार करते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि मुझे सुसमाचार की रक्षा के लिए यहाँ रखा गया है।

पहले वाला मसीह की घोषणा स्वार्थी महत्वाकांक्षा से करता है, ईमानदारी से नहीं, बल्कि मुझे कैद में कष्ट पहुँचाने के लिए सोचता है। तो फिर क्या? हर तरह से, चाहे दिखावा हो या सच्चाई, मसीह की घोषणा की जाती है, और मैं इसी में आनन्दित हूँ। मैं वापस आऊँगा ताकि इस अंश की कुछ विशेषताओं को समझ सकूँ और आपको दिखा सकूँ।

लेकिन मैं आपको फिलिप्पियों में अब तक कवर की गई कुछ बातों को ध्यान में रखते हुए छोड़ना चाहता हूँ। पौलुस ने एक कलीसिया को बधाई दी, लेकिन पौलुस एक ऐसी बात पर वापस आया जिस पर आज की ईसाई या पुस्तक पर विद्वानों की चर्चाओं में इतना जोर नहीं दिया जाता है, जिस पर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ, पौलुस के लिए, रिश्ते मायने रखते हैं, मानवीय रिश्ते मायने रखते हैं, और हमने अब तक इन कुछ आयतों में इसे देखा है।

संगति, साझेदारी और दोस्ती बातचीत का हिस्सा हैं और जिस तरह से वह लोगों का परिचय देता है और अपने प्रवचन की रूपरेखा को प्रस्तुत करता है, उसमें ये सभी बातें शामिल हैं। दूसरा,

परमेश्वर के साथ संबंध मायने रखता है। इस हद तक कि वह पत्र की शुरुआत में ही परमेश्वर को धन्यवाद देगा ताकि यह दिखा सके कि वह समझता है कि प्रभु यीशु मसीह में जीवन सचमुच परमेश्वर की अधीनता में जिया जाता है।

मैं इस तथ्य पर भी ज़ोर देना चाहता हूँ कि पॉल के लिए प्रार्थना बहुत महत्वपूर्ण है। शायद आपने इसके बारे में ज़्यादा नहीं सुना होगा। मैं आपको यह बताने आया हूँ कि पॉल इसे समझता है।

यहाँ तक कि अपने पत्र को लिखते समय भी, वह चाहता था, उसे चर्च को यह जानने की आवश्यकता थी कि प्रार्थना मायने रखती है, और उसने उनकी ओर से परमेश्वर की सहायता माँगी और परमेश्वर से सहायता माँगी ताकि वे भी इसे अपने जीवन का हिस्सा बना सकें। चर्चा के बाकी हिस्से के लिए रूपरखा डालते हुए, पॉल हमें दिखाने जा रहा है कि सच्चे दोस्तों के रूप में, उन्हें यह जानने की ज़रूरत है कि क्या हो रहा है, कि वह जानता है कि हालाँकि उसके बहुत अच्छे दोस्त हैं, कुछ लोग उसकी कैद का फ़ायदा उठा रहे हैं और वे स्वार्थी महत्वाकांक्षा से सुसमाचार का प्रचार कर रहे हैं, लेकिन वह अपने रास्ते पर बना रहेगा। वे चाहते हैं कि परमेश्वर की महिमा हो।

वह चाहता है कि एकता और शालीनता मसीह के शरीर का हिस्सा बनें। वह उन मॉडलों को स्पष्ट करेगा जिनका पालन करने की आवश्यकता है ताकि चर्च ऐसे पुरुष और महिला बन जाए जैसा परमेश्वर चाहता है कि वे फिलिप्पी नामक रोमन कॉलोनी में हों, जहाँ आस-पास का समुदाय बुतपरस्त हो सकता है, जादू कर सकता है, सभी तरह के तरीकों से रह सकता है, लेकिन ईसाई मसीह के मानक पर जी रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि फिलिप्पियों अध्याय 1 की इस चर्चा की शुरुआत में, हम अभी लगभग आधे रास्ते पर हैं, कि आप यह समझना शुरू कर रहे हैं कि पॉल क्या व्यक्त करने की कोशिश कर रहा है, और मैं आपसे अनुरोध करूँगा कि जैसे-जैसे आप इस सीखने की प्रक्रिया से गुजरते हैं, आप इसे आत्मसात करते हैं, आप इस पर चिंतन करते हैं और शायद आप खुद से पूछते हैं, मैं किस हद तक सीख सकता हूँ या मसीह यीशु के साथ अपने व्यक्तिगत चलने में कुछ ला सकता हूँ? यदि आपको दोस्ती, साझेदारी, प्रार्थना और धन्यवाद के साथ कुछ उपयोगी लगता है, तो मुझे लगता है कि आपने बहुत अच्छी शुरुआत की है, और मुझे उम्मीद है कि एक साथ सीखने के दौरान, हम बढ़ते रहेंगे और मसीह यीशु के वफादार अनुयायी बनेंगे।

प्रिज़न एपिस्टल्स पर हमारी बाइबिल अध्ययन सीखने की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आपका धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि आप वापस आएंगे और हमारे साथ इस सीखने को जारी रखेंगे।

यह डॉ. डैन डार्को द्वारा जेल पत्रों पर व्याख्यान श्रृंखला में दिया गया व्याख्यान है। यह सत्र 9, फिलिप्पियों 1 है।